**Total No. of Questions : 08]** **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

# FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

**3MAHIN 4**

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

विशेष अध्ययन–सूरदास

**Time : 03 Hrs.** **MM : 70**
**MM : 25**

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(अ) चरन–कमल बंदौ हरि राई।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे कौ सब कछु दरसाई।।
बहिरो सुनै गुँग पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करूणामय, बार–बार बंदौ तिहि पाई।।

(ब) जसुमति मन अभिलाष करै।
कब मेरो लाल घुटुरूवनि रेंगे, कब धरती पग द्वैक धरै।
कब द्वै दांत दुध के देख, कब तोतरे मुख वचन करै।
कब मेरौ अंचरा गहि मोहन, जोई सोई कहि मोसों झगरै।
कब नंदहि बाबा कहि बोले, कब जननी कहि मोहि ररै।
कब धौं तनक तनक कछु खैंहे, अपने कर सौ मुखहि भरे।

प्र.2. मुरली माधुर्य से सम्बंधित जो पद रचना सूर ने की है उसकी मूल भावना पर सम्यक प्रकाश डालिए।

प्र.3. कृष्ण भक्ति काव्य धारा में प्रचलित प्रमुख सम्प्रदायों और उनके कवियों की चर्चा कीजिए।

प्र.4. हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्र.5. निर्गुण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

प्र.6. सगुण भक्ति काव्य धारा की पृष्ठभुमि बतलाते हुए कृष्ण भक्ति तथा राम भक्ति काव्य धारा का साम्य और वैषम्य स्पष्ट कीजिए।



**Total No. of Questions : 08]** **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

# FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

**3MAHIN 4**

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

विशेष अध्ययन–सूरदास

**Time : 03 Hrs.** **MM : 70**
**MM : 25**

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(अ) चरन–कमल बंदौ हरि राई।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे कौ सब कछु दरसाई।।
बहिरो सुनै गुँग पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करूणामय, बार–बार बंदौ तिहि पाई।।

(ब) जसुमति मन अभिलाष करै।
कब मेरो लाल घुटुरूवनि रेंगे, कब धरती पग द्वैक धरै।
कब द्वै दांत दुध के देख, कब तोतरे मुख वचन करै।
कब मेरौ अंचरा गहि मोहन, जोई सोई कहि मोसों झगरै।
कब नंदहि बाबा कहि बोले, कब जननी कहि मोहि ररै।
कब धौं तनक तनक कछु खैंहे, अपने कर सौ मुखहि भरे।

प्र.2. मुरली माधुर्य से सम्बंधित जो पद रचना सूर ने की है उसकी मूल भावना पर सम्यक प्रकाश डालिए।

प्र.3. कृष्ण भक्ति काव्य धारा में प्रचलित प्रमुख सम्प्रदायों और उनके कवियों की चर्चा कीजिए।

प्र.4. हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्र.5. निर्गुण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

प्र.6. सगुण भक्ति काव्य धारा की पृष्ठभुमि बतलाते हुए कृष्ण भक्ति तथा राम भक्ति काव्य धारा का साम्य और वैषम्य स्पष्ट कीजिए।

प्र.7. भक्ति आंदोलन पर एक लेख लिखिए।

प्र.8. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए – (कोई दो)
(अ) कृष्ण दास का संक्षिप्त परिचय
(ब) कुम्भन दास की भाषा
(स) परमानंद दास का संक्षिप्त परिचय

**-----x-----**



प्र.7. भक्ति आंदोलन पर एक लेख लिखिए।

प्र.8. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए – (कोई दो)
(अ) कृष्ण दास का संक्षिप्त परिचय
(ब) कुम्भन दास की भाषा
(स) परमानंद दास का संक्षिप्त परिचय

**-----x-----**

**2**